## विचार की रचनात्मक शक्ति के विषय पर

## बाबा मुक्तानन्द द्वारा लिखित पुस्तक 'मुक्तेश्वरी' से एक सिखावनी

विचार जगत को रचता।
विचार सर्वकर्म को निर्धारित करता।
भक्तिमय विचार से भक्त बनता।
मुक्तानन्द! अपने विचार में ही स्वर्ग खड़ा है।

~ बाबा मुक्तानन्द
मुक्तेश्वरी, सूक्ति २८७

© २०१९ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।